



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 62]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 17, 2010/माघ 28, 1931

No. 62]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 17, 2010/MAGHA 28, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2010

प्रारंभिक जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनों के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच का प्रारंभिक जांच परिणाम ।

सं. 14/25/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है) 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

2. यतः मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनों (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है) 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है। संबद्ध देश के दूतावास को नियम 5(5) के अनुसार विधिवत प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में अधिसूचित किया गया था ।

3. और यतः प्राधिकारी ने नियमावली के उप नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु की आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए घरेलू

उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 18 मई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

क. सामान्य

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 18.5.2009 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, उपलब्ध पतों के अनुसार आयातकों तथा घरेलू उद्योग को भेजीं और उनसे जांच शुरुआत की अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।

ख) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई ।

ग) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को जांच की शुरुआत के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वह निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पतों के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी ।

घ) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं । प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार से संबंधित प्रश्नावली भी भेजी ।

ङ) डी जी सी आई एंड एस से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था । तथापि, उक्त अवधि के आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं । इस जांच परिणाम में इम्पैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा किया गया है;

च) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षणार्थ खुला रखा;

छ) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत अनंतिम रूप से निकाली गई थीं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

ज) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2008 से 31 दिसंबर, 2008 (9 माह) की है । तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2005-मार्च, 06, अप्रैल 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल है ।

झ) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में उत्पादक मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि., चीन तथा निर्यातक मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, आस्ट्रिया ने सूचना प्रस्तुत की है । यद्यपि यह पूर्ण नहीं है । संबद्ध देश के जिन अन्य निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है, उन्हें असहयोगी माना गया है ।

1) *** यह चिन्ह इस जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद

5. विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें हैं । सर्कुलर बुनाई मशीनों में एक केन्द्रीय भाग होता है जिसमें ताना डालने के लिए शटलें होती हैं और बाना डालने के लिए एक क्रील होता है । पीपी/ एच डी पी ई टेपों का उपयोग ताना-बाना के रूप में किया जाता है । सर्कुलर पी पी/ एच डी पी ई कपड़े की बुनाई शुरू से लेकर अंत तक होती है । सर्कुलर बुनाई के वस्त्रों का व्यापक उपयोग सीमेंट, उर्वरक, रसायन, प्लास्टिक के दाने आदि की पैकेजिंग तथा तिरपाल आदि जैसे आच्छादन कपड़ों जैसे पैकेजिंग अनुप्रयोगों में होता है ।

6. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 84 के उपशीर्ष सं. 8646-बुनाई मशीनें (करघा) के अंतर्गत वर्गीकृत है और इनकी निकासी शीर्ष सं. 8446.21/8446.21.90 (अन्य)/8446.29 (अन्य) तथा 8446.29.00 (अन्य) के अंतर्गत की जात है ।

7. आवेदक ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से निर्यातित 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनों में कोई खास अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से आयातित 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है ।

याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमों के अनुसार चीन जन.गण. से आयातित वस्तु के समान वस्तु है ।

तथापि, उपर्युक्त विचाराधीन उत्पाद का सीमाशुल्क तथा आई पी सी एच एस वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

ग. समान वस्तु

8 आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है । आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है । प्राधिकारी इस संबंध में आवेदक के दावे को स्वीकार करते हैं, इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है ।

घ. घरेलू उद्योग का आधार और जांच की शुरुआत

9. यह आवेदन मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर किया गया है । रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर का उत्पादन घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग है क्योंकि उनका उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है ।

10. उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि इस आवेदन में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं की पूर्ति होती है । इसके अलावा, मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर को नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग माना जा रहा है ।

निर्यातकों के विचार

11. एकडमी ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली ने मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि., चीन जन.गण. तथा निर्यातक मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, आस्ट्रिया की ओर से निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है । अपने उत्तर में उन्होंने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं :-

- मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, आस्ट्रिया द्वारा प्रदत्त प्रौद्योगिकी से निर्यात एवं घरेलू बाजार हेतु सर्कुलर बुनाई करघों तथा अन्य मशीनों का विनिर्माण किया जा रहा है ।

- आवेदक मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., इंडिया, लोहिया मशीन वर्क्स, कानपुर तथा मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच तथा मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, आस्ट्रिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है जिसका मै. लोहिया स्टारलिंगर लि. में 34.67% का दावा है और वह मै. लोहिया स्टारलिंगर लि. में एकमात्र सबसे कम शेयरधारक है ।
- इसके अलावा, मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, ने लागू प्रौद्योगिकी तथा जानकारी प्रदान कर सर्कुलर बुनाई करघों के विनिर्माण हेतु लोहिया स्टारलिंगर लि. को समिा बनाया है ।
- स्टारलिंगर- ह्यूमर परिवार द्वारा एफ ई पी आई ए प्राइवेटस्टिफंग के जरिए प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखा जाता है और वह स्टारलिंगर समूह के भाग स्वरूप समस्त कंपनियों में प्रत्यक्ष व्यक्तिगत शेयरधारिता रखता है ।
- आवेदक मै. लोहिया स्टारलिंगर लि. स्टारलिंगर समूह की एक भाग है क्योंकि मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच आवेदक लोहिया स्टारलिंगर लि. में एकमात्र सबसे कम शेयरधारिता वाली कंपनी है जिसकी शेयरधारिता 34.67% है ।
- मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि. द्वारा संबद्ध उत्पाद का निर्यात केवल मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया को किया जाता है जो बाद में भारत सहित अन्य देशों को उसका निर्यात करती है ।
- सुश्री एनजेलिका ह्यूमर स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि. के बोर्ड की अध्यक्ष हैं और साथ ही साथ स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया की प्रबंध निदेशक एवं स्टारलिंगर एक्सपोर्ट जी एम बी एच, आस्ट्रिया की प्रबंध निदेशक हैं ।
- स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया की याचिकाकर्ता लोहिया स्टारलिंगर लि. में 34.67% की शेयरधारिता है और लोहिया स्टारलिंगर लि. के बोर्ड पर उसका विधिक अधिकार है । इस कंपनी से लोहिया स्टारलिंगर लि. द्वारा निदेशक का पद विधिसम्मत रूप से अलग कर दिया गया था और यह मामला कंपनी लॉ बोर्ड, भारत के समक्ष इस समय लंबित हैं ।

घरेलू उद्योग के विचार

12. लोहिया स्टारलिंगर लि. (जिसे आगे "एल एस एल" कहा गया है) तथाकथित स्टारलिंगर समूह की भाग नहीं है जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि वैबसाइट www.starlinger.com में स्टारलिंगर समूह के सदस्यों के रूप में निम्नलिखित चार कंपनियां ही सूचीबद्ध हैं:-

- स्टारलिंगर एंड कंपनी जी एम बी एच
- एस एम एल मशीनगेसेलसाफ्ट एम बी एच

- जार्ज साहम जी एम बी एच एंड कंपनी के जी
- मापलान जी एम बी एच
- एल एस एल की स्टारलिंगर चीन में कोई शेयरधारित नहीं है और न ही उस पर नियंत्रण है तथा स्टारलिंगर चीन का एल एस एल में कोई शेयर नहीं है और/अथवा उस पर नियंत्रण नहीं है ।
- एल एस एल का स्टारलिंगर एंड कंपनी सी एम बी एच, आस्ट्रिया (जिसे आगे "स्टारलिंगर आस्ट्रिया" कहा गया है) पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही वह विधिक या प्रचालनात्मक रूप से स्टारलिंगर आस्ट्रिया द्वारा नियंत्रित है ।
- इस तथ्य कि स्टारलिंगर आस्ट्रिया ने एल एस एल बोर्ड में अपना नामिति नियुक्त करने की मांग करते हुए माननीय सी एल बी के समक्ष एक याचिका दायर की है, से इस बात की पुष्टि होती है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का एल एस एल पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही उसके पास एल एस एल के प्रबंधन या नियंत्रण में भूमिका का दावा करने का कोई संविदागत अधिकार नहीं है । वर्ष 2005 में दायर याचिका का एल एस एल ने सी एल बी के समक्ष कड़ा विरोध किया है ।
- स्टारलिंगर आस्ट्रिया ने एल एस एल को आरंभिक प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई है । पिछला प्रौद्योगिकी अंतरण काफी समय पूर्व 1992 में किए गए करार के तहत हुआ था जो भी समय के साथ-साथ समाप्त हो गया है । स्टारलिंगर आस्ट्रिया की एल एस एल द्वारा संगत करारों के अनुसार रॉयल्टी के भुगतान द्वारा प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु क्षति पूर्ति विधिवत रूप से की गई है ।
- एल एस एल किसी भी तरह से स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन से संबंधित नहीं है । उसका एकमात्र दावा यह है कि उसकी एल एस एल में 34.67% शेयरधारिता है । परंतु मात्र शेयरधारिता से स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन पाटनरोधी नियमों के भीतर एल एस एल से संबंधित नहीं हो जाती है । एल एस एल बोर्ड ने वर्ष 2002 के बाद स्टारलिंगर आस्ट्रिया का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई निदेशक नियुक्त नहीं किया है और इस प्रकार सुश्री एनलेजिका ह्यूमर को विधिक रूप से निदेशक पद से वंचित करने का प्रश्न ही नहीं उठता है । बहरहाल इस तथ्य कि स्टारलिंगर आस्ट्रिया ने एल एस एल बोर्ड में अपना नामिति नियुक्त करने की मांग करते हुए माननीय सी एल बी के समक्ष एक याचिका दायर की है, से इस बात की पुष्टि होती है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का एल एस एल पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही उसके पास एल एस एल के प्रबंधन या नियंत्रण में भूमिका का दावा करने का कोई संविदागत अधिकार नहीं है । वर्ष 2005 में स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा दायर याचिका अभी भी सी एल बी में विचाराधीन है और सी एल बी ने अब तक कोई निर्णय नहीं दिया है ।

- यह कहना सरासर झूठ है कि सी एल वी ने इस बात की पुष्टि की है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और एल एस एल संबंधित है । माननीय सी एल वी ने ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया है ।
- इस बात से इंकार किया जाता है कि एल एस एल लोहिया मशीन वर्क्स तथा स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है । लोहिया मशीन वर्क्स के साथ ऐसा कोई करार नहीं है । स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने कंपनी लॉ बोर्ड के समक्ष याचिका सं. 62/2005 में इसी प्रकार का दावा किया है जिसके बारे में एल एस एल ने सी एल वी के समक्ष इंकार किया है और यह मामला न्याय निर्णयाधीन है ।
- स्टारलिंगर, आस्ट्रिया पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर न तो विधिक रूप से और न ही प्रचालनात्मक रूप से एल एस एल के नियंत्रण में है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटनरोधी) नियमावली, 1995 के नियम 2(ख) के अंतर्गत संबंधित कंपनियों की परिभाषा के मद्देनजर इस स्थिति की जांच की है । उक्त नियम नीचे पुनः प्रस्तुत है :

1(i) उत्पादकों को केवल उसी स्थिति में निर्यातकों या आयातकों से संबंधित माना जाएगा यदि,-

(क) उनमें से कोई एक दूसरे पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखता हो; अथवा

(ख) दोनों ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा नियंत्रित हों; अथवा

(ग) दोनों मिलकर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तीसरे व्यक्ति को नियंत्रित करते हों बशर्त इस बात पर विश्वास करने या आशंका करने का आधार हो कि उनका संबंध का प्रभाव ऐसा है जिससे उत्पादक असंबंधित उत्पादकों से अलग प्रकार का व्यवहार करते हों ।

1(ii) किसी उत्पादक को दूसरे उत्पादक पर नियंत्रण रखने वाला तभी माना जाएगा जब उत्पादक उस अन्य उत्पादक पर दबाव डालने या निर्देश देने की विधिक या प्रचालनात्मक स्थिति में हो ।

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक और निर्यातक के बीच संबद्धता के बारे में प्रमुख तत्व विधिक या प्रचालनात्मक "नियंत्रण" का है । प्राधिकारी ने यह पाया है कि स्टारलिंगर, चीन स्टारलिंगर आस्ट्रिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है अतः ये दोनों संबद्ध कंपनियां हैं । इसके अलावा यह साक्ष्य दिया गया है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के याचिकाकर्ता कंपनी अर्थात् एल एस एल में 34.67% शेयर हैं । परंतु मात्र शेयरधारिता का तात्पर्य यह नहीं है कि उसका नियंत्रण है और इसलिए स्टारलिंगर आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन उपर्युक्त पाटनरोधी नियमों के भीतर एल एस एल से संबंधित नहीं बन जाती है । इसके

अलावा, प्राधिकारी ने यह पाया है कि वर्ष 2002 के बाद एल एस एल बोर्ड में स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई निदेशक नियुक्त नहीं किया गया है। दोनों पक्षकारों ने रिकॉर्ड में यह दर्शाया है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने एल एस एल बोर्ड में अपना नामिति नियुक्त करने की मांग करते हुए कंपनी लॉ बोर्ड के समक्ष एक याचिका दायर की है। इससे यह सिद्ध होता है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का एल एस एल पर कोई प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है। इस प्रकार एल एस एल पर स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन का कोई विधिक या प्रचालनात्मक नियंत्रण न होने की स्थिति में प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर आवेदक और निर्यातक को संबद्ध कंपनियां नहीं माना है।

गोपनीयता

15. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में उनके गोपनीयता के दावों की जांच की गई है। लागत, ग्राहक कीमत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना गया है। निर्यातक मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि., चीन तिा स्टारलिंगर एंड कंपनी जी एम बी एच, आस्ट्रिया के आंकड़े गोपनीय रूप में प्रस्तुत किए गए हैं और उन्हें प्रारंभिक जांच परिणाम में गोपनीय माना गया है परंतु गोपनीयता के दावे के की जांच हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद विस्तार से की जाएगी।

ड. पाटन मार्जिन की गणना की कार्य प्रणाली

ड.1 चीन जन.गण. के निर्यातकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार

16. जांच की शुरुआत के चरण पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानकर कार्यवाही की थी। जांच के उपरांत प्राधिकारी ने उक्त देश के उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी थी कि वे जांच शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण हेतु संगत सूचना प्रदान करें।

17. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मापदंडों के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए समस्त ज्ञात निर्यातकों को एम ई टी प्रश्नावली भेजी। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. की सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वह सूचना प्रदान करने के लिए अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दें।

18. स्टारलिंगर, चीन ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दिया। तथापि, घरेलू उद्योग के अनुसार एन एम ई प्रश्नावली में दिए गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर अत्यंत उल जलूल और साक्ष्य रहित हैं। इस संबंध में आवेदकों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:-

- (क) कारोबारी निर्णयों और लागत के बारे में एन एम ई प्रश्नावली के प्रश्न सं.3(ख) के उत्तर में यह बताया गया है कि भूस्वामी 100% विदेशी स्वामित्व वाला

उद्यम है । यह सुविदित तथ्य है कि चीन में समस्त भूमि "चीन के सभी लोगों" की है । अर्थात् यह चीन सरकार की है और केवल भूमि उपयोग के अधिकार विशिष्ट अवधियों अर्थात् 50 वर्ष के लिए अत्यंत कम दरों पर संबंधित सरकारी एजेंसियों को प्रदान किए जाते हैं । अन्य आपूर्तिकर्ता राज्य के या तो पूर्ण स्वामित्व में या आंशिक स्वामित्व में होते हैं ।

(ख) प्रश्न सं. 5 (छ) के उत्तर में यह बताया गया है कि एस पी एम टी के निर्यात लाभों की गणना संबद्ध उत्पाद की मानक लागत जमा उचित लाभ पर की जाती है । यह स्पष्ट नहीं है कि निर्यात लाभ की गणना में वे कौन सी पद्धति अपनाते हैं । उन्होंने यह भी कहा है कि लाभ का उपयोग शुरूआती लागत की भरपाई के लिए किया जाता है । कंपनी की शुरूआत वर्ष 2005 में हुई थी । शुरूआती अवधि कब समाप्त हुई ? निर्यात लाभ से परी की गई शुरूआती लागत की राशि क्या थी ? घरेलू लाभ से शुरूआती लागत के किस भाग की पूर्ति की गई थी ? उनके उत्तर से ऐसे अनेक प्रश्न उत्पन्न होते हैं जिनका उत्तर अपेक्षित है ।

(ग) प्रश्न सं. 5 (ज) के उत्तर से यह स्पष्ट होता है कि उन्हें शुरूआती लागत के कारण निर्यात बिक्री में घाटा हुआ है और संचित घाटे का वित्तपोषण इक्विटी, एक संबद्ध कंपनी स्टारलिंगर, आस्ट्रिया की ओर से निक्षेप प्राप्त करने तथा आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान रोककर किया गया है । संचित घाटे की भरपाई करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान कब रोका गया है, इससे कंपनी के गैर-बाजारी स्वरूप का स्पष्ट संकेत मिलता है । उसे बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जाएगा ।

(घ) यह बताया गया है कि भू स्वामी किराए के कार्मिक प्रदान करने वाला है । प्र. सं. 7(क) के उत्तर में आगे यह बताया गया है कि कामगार एस पी एम टी में नियोजित नहीं हैं बल्कि उन्हें बाहर से मंगाया गया है । एस पी एम टी तथा कार्मिक प्रदाता के बीच संबंध का ब्यौरा नहीं दिया गया है । यह चीन में किए गए प्रचालनों के गैर-बाजारी स्वरूप का एक अन्य संकेतक है ।

(ङ) ऐसे स्रोत के बारे में कोई सूचना नहीं है जहां से एस पी एम टी ने मशीनें तथा अन्य नियम परिसंपत्तियां प्राप्त की थीं ।

(च) अपूर्ण एम ई टी उत्तर को ध्यान में रखते हुए उनके एम ई टी दावों को अस्वीकार किया जाएगा ।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. की मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कं. लि. ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की । प्राधिकारी उपर्युक्तानुसार याचिकाकर्ताओं के मुद्दे को भी नोट

करते हैं । प्राधिकारी ने निर्णय लिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के बारे में अंतिम दृष्टिकोण स्टारलिंगर, चीन के द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के बाद अपनाया जाएगा ।

ड.2 पाटन मार्जिन का निर्धारण

20. घरेलू उद्योग के अनुरोध

- प्रश्नावली का उत्तर संबद्ध उत्पाद के उत्पादक एस पी एम टी, चीन जन.गण. ने दायर किया है । यह बताया गया है कि एस पी एम टी द्वारा संबद्ध उत्पाद का निर्यात स्टारलिंगर एंड कंपनी जी एम बी एच, आस्ट्रिया को ही किया जाता है जो बाद में भारत सहित अन्य देशों को निर्यात करती है । एस पी एम टी ने एक मत से यह बताया है कि भारत को हुए निर्यातों के ब्यौरे से संबंधित परिशिष्ट-2 उन पर लागू नहीं होती है ।
- प्रथमतः चीन एक एन एम ई देश है और इसलिए चीन में हुई घरेलू बिक्रियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा । द्वितीयतः एस पी एम टी ने घरेलू बिक्री से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में ई क्यू आर में पर्याप्त सूचना नहीं दी है । ऐसी सूचना के अभाव में डी जी ए डी द्वारा उनकी घरेलू बिक्री के ब्यौरे स्वीकार्य नहीं किए जा सकते । इस प्रकार की भारी त्रुटियां नीचे सूचीबद्ध हैं ।
- प्रश्न सं. ख 2 के उत्तर में एस पी एम टी ने यह बताया है कि उनके घरेलू बाजार हेतु संबद्ध उत्पाद के समस्त बिक्री कार्यकलाप चीन के बिक्री करने वाले व्यक्तियों के योगदान के साथ अनन्य रूप से स्टारलिंगर एंड कंपनी जी एम बी एच द्वारा निष्पादित किए जा रहे हैं । इस प्रकार एस पी एम टी द्वारा किए गए व्यय में संपूर्ण एस जी ए व्यय शामिल नहीं है । अतः एस जी ए दर के निर्धारण हेतु एस पी एम टी द्वारा प्रस्तुत सूचना पर भरोसा करना उचित नहीं है ।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने यह प्रस्ताव किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए । आवेदक ने यह भी बताया है कि चीन के प्रमुख उत्पादक/निर्यातक मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि., मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी जी एम बी एच आस्ट्रिया की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है और तदनुसार इस तथ्य पर विचार करते हुए आस्ट्रिया ऐसा उचित तीसरा देश है कि मै. स्टारलिंगर चीन के उत्पादकों को प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ता है और उसने आस्ट्रिया में विनिर्मित संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत और इंडोनेशिया को बेची गई वस्तु की निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए भाड़ा एवं प्रतिष्ठापन के लिए विधिवत समायोजन करते हुए चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का दावा किया है ।

स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच आस्ट्रिया के अनुरोध

22. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच आस्ट्रिया ने भारत सहित विभिन्न देशों को अपने निर्यात सौदों का साक्ष्य संलग्न करते हुए अपना गोपनीय उत्तर कीमत तुलना के प्रयोजनार्थ निम्नानुसार दायर किया है:-

- यह बताया गया है कि स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि. द्वारा विनिर्मित मशीनों की भारतीय निर्यात बाजार में बिक्री एवं वितरण से संबंधित समस्त कार्यकलाप तथा बीजक तैयार करने, कीमत एवं भुगतान संग्रहण के कार्य स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच आस्ट्रिया द्वारा अनन्य रूप से किए जा रहे हैं ।
- स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के लेखा परीक्षकों द्वारा पुष्टिकृत बीजकों से इंडोनेशिया, बंगलादेश और नेपाल जैसे देशों के लिए निर्यात कीमत का साक्ष्य मिलता है, जिन्हें उन्होंने भारत को निर्यात कीमत का साक्ष्य देते हुए अपने लेखा परीक्षकों द्वारा पुष्टिकृत बीजकों के साथ प्रस्तुत किया है । भाड़े एवं प्रतिष्ठापन के लिए समायोजनों का दावा किया गया है । इस संबंध में आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं ।
- जांच अवधि के दौरान स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा भारत को किए गए निर्यात तथा इंडोनेशिया तथा नेपाल को किए गए निर्यात की कीमत के स्तर समान होने का दावा किया गया है जैसा कि कीमत तुलना से स्पष्ट हो जाएगा ।
- घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का दावा करते हुए आंकड़े उपलब्ध कराए हैं और यह दावा किया गया है कि भारत को निर्यात कीमत की तुलना में

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

i) चीन जन.गण. से सामान्य मूल्य

23. प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देश के प्रतिवादी निर्यातक क संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण के ऐसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनका आगे और सत्यापन करना और जांच करना अपेक्षित है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने इस मामले में निर्यातक स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा प्रस्तुत तीसरे पक्षकार को निर्यातों सहित निर्यातों से संबंधित सूचना पर भरोसा नहीं किया है क्योंकि उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । समस्त संगत ब्योरों के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किए बिना निर्यातों के समर्थन में बीजकों के मात्र प्रस्तुतीकरण को प्राधिकारी ने अधूरा उत्तर माना है । दूसरी ओर स्टारलिंगर, चीन (उत्पादक) द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर अधूरा है क्योंकि उसमें निर्यातों से संबंधित सूचना निहित नहीं है । प्राधिकारी द्वारा जांच के मद्देनजर समस्त संगत ब्योरे देते हुए निर्धारित प्रपत्रों में उत्तर और पूर्ण सहयोग कानून के अनुसार उन्हें अलग-अलग व्यवहार प्रदान करने के लिए अनिवार्य है । अतः चीन जन.गण. के निर्यातक तथा उत्पादक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दावों और अलग-अलग व्यवहार के दावों के बारे में आगे और जांच तथा सत्यापन होने तक प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 क

अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए परिकलित सामान्य मूल्य अनंतिम रूप से अपनाया है ।

24. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

25. आवेदक ने दावा किया है कि आस्ट्रिया एक उचित तीसरा देश है और भाड़े, समुद्री बीमा आदि के लिए विधिवत समायोजित आस्ट्रिया से इंडोनेशिया के लिए संबद्ध वस्तु (आस्ट्रिया में विनिर्मित) की निर्यात कीमतों को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का दावा किया है । तथापि, ऐसे निर्यातों का साक्ष्य केवल ई-मेल पेशकश के रूप में पाया गया है जिसे प्राधिकारी ने स्वीकार नहीं किया है । दूसरी ओर स्टारलिंगर, आस्ट्रिया (निर्यातक) ने जांच अवधि के दौरान आस्ट्रिया से इंडोनेशिया को हुए निर्यात का साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए बीजक एवं भाड़े एवं प्रतिष्ठापन हेतु समायोजनों से संबंधित संगत आंकड़े प्रस्तुत किए हैं । तथापि, प्राधिकारी ने यह पाया है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने निर्यातक प्रश्नावली का पूर्ण उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । स्टारलिंगर, आस्ट्रिया तथा स्टारलिंगर, चीन दोनों की ओर से निर्यातक प्रश्नावली के संपूर्ण उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना पर भरोसा नहीं किया है । इस प्रकार प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 को लागू करते हुए प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ केवल परिकलित सामान्य मूल्य अपनाया है ।

26. सत्यापन लंबित रहने तक प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार उपर्युक्त आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण करने की प्रक्रिया शुरू की है । तदनुसार चीन जन.गण. के निर्यातक तथा उत्पादक के किसी संयोजन हेतु विचाराधीन उत्पाद का कारखानागत परिकलित सामान्य

मूल्य कारखाना स्तर पर 44.55 रुपए/अम.डॉ. की विनिमय दर पर केवल प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ 5% का उचित लाभ, मार्जिन जोड़कर *** अम.डॉ. निर्धारित किया गया है ।

ड.4 निर्यात कीमत

i) स्टारलिंगर चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

27. मै.स्टारलिंगर, चीन पे निर्यातक प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह बताया है कि उनके द्वारा विनिर्मित मशीनों के निर्यात बाजारों हेतु बिक्री तथा वितरण से संबंधित समस्त कार्यकलाप स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा किए जाते हैं और स्टारलिंगर, आस्ट्रिया से भारत को कोई प्रत्यक्ष निर्यात नहीं किया जाता है । दूसरी ओर स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने बीजकों के साक्ष्य के साथ भारत को हुए निर्यातों को हुए ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं । विनिमय से केवल एक बीजक जांच अवधि से संबंधित है । स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने यह बताया है कि जांच अवधि के दौरान एक बीजक पर केवल एक पोटलदान किया गया था और इस अवधि में कोई अन्य पोटलदान नहीं हुआ था । उक्त बीजक से उस बीजक पर आपूर्त दो उत्पादों के संयुक्त सीएफआर मूल्य का पता चलता है । तथापि, संगत बीजक के प्रपत्र में संबद्ध वस्तु की 57 इकाइयों के लिए मूल्य को अलग-अलग दिया गया है । निर्यात के प्रति इकाई बीजक मूल्य को *** अम.डॉ. दर्शाया गया है । भाड़े एवं प्रतिष्ठापन के लिए समायोजन का दावा *** अम.डॉ. प्रति इकाई के रूप में किया गया है । तदनुसार कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत का दावा *** अम.डॉ. प्रति इकाई के रूप में किया गया है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यात अर्थात् स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और उत्पादक स्टारलिंगर, चीन का उत्तर अधूरा है क्योंकि उसमें संबद्ध वस्तु के निर्यातांक से संबंधित सूचना नहीं दी गई है । अतः प्राधिकारी स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा किए गए दावे के अनुसार निर्यात कीमत पर भरोसा नहीं करते हैं । दूसरी ओर प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए रिकॉर्ड में उपलब्ध इनफोड्राइव के व्यापार आंकड़ों के अनुसार *** अम.डॉ. प्रति इकाई के निर्यातों के एफ ओ बी मूल्य तथा चीन में अंतरदेशीय भाड़े एवं पत्तन प्रभारों के लिए समायोजनों पर भरोसा किया है जिन्हें संबद्ध वस्तु की *** अम.डॉ. प्रति इकाई के उचित स्तर पर लिया गया है । इस प्रकार कारखाना स्तर पर प्रति इकाई निर्यात कीमत *** अम.डॉ. प्रति इकाई निकाली गई है ।

ड.5 पाटिन मार्जिन

28. इस आशय का पर्याप्त साक्ष्य कि संबद्ध देश में कारखाना स्तर पर संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य भारत के लिए कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे यह पता चलता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है ।

29. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है । :-

चीन जन.गण.

मूल्य अम.डॉ. प्रति इकाई में

| | चीन जन.गण. के निर्यातक तथा उत्पादक का कोई संयोजन |
|---------------|--|
| सामान्य मूल्य | *** |
| निर्यात कीमत | *** |
| पाटन मार्जिन | 22.08% |

30. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम स्तर से ज्यादा है ।

च. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली तथा कारणात्मक संबंध की जांच

च.1 क्षति निर्धारण

31. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से हुए समग्र आयातों को पाटित आयात माना गया है ।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

32. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:-

(क) घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति (क) मात्रात्मक प्रभाव; और (ख) कीमत प्रभाव के रूप में दर्शायी गई है ।

(ख) **समग्र रूप में वृद्धि** : वर्ष 2006-07 में संबद्ध देश से आयात 157 इकाइयों के हुए थे । वर्ष 2007-08 में यह घटकर 90 इकाइयों के हो गए । तथापि, जांच अवधि (वर्ष 2008-09 के 9 माह अर्थात अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान आयात बढ़कर 247 इकाइयों के हो गए । अप्रैल-दिसंबर, 2008 के दौरान सूचीबद्ध नगों के संबंध में आयात वर्ष 2006-07 में हुए आयातों के 157% रहे थे ।

(ग) **तुलनात्मक रूप में वृद्धि** : घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में पाटित आयात वर्ष 2006-07 में 8% से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2008 में 12% हो गए । इसी

अवधि के दौरान घरेलू खपत के % के रूप में पाटित आयात 11% से बढ़कर 13% हो गए ।

(घ) घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव :

(i) कीमत कटौती: वर्ष 2006-07 के दौरान आयातित वस्तु का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति से 18% अधिक था । तथापि, घरेलू बिक्री प्राप्ति में वृद्धि के बावजूद पहुंच मूल्य में भारी गिरावट आई और यह वर्ष 2008-09 के दौरान घरेलू बिक्री प्राप्ति से 9 % कम रहा ।

(ii) कम कीमत पर बिक्री : कीमत कटौती से घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के संपूर्ण प्रभाव का पता नहीं चलता है । घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं था अतः कम कीमत पर बिक्री को वस्तुतः ध्यान में रखा जाना चाहिए । वर्ष 2006-07 के दौरान जब आयात शुरु हुए तो कम कीमत पर बिक्री ऋणात्मक 18% थी । वर्ष 2007-08 में यह ऋणात्मक 2% थी । तथापि, जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान यह सकारात्मक 17% हो गई । इतनी अधिक कम कीमत पर बिक्री के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।

(ङ) बाजार हिस्सा:- वर्ष 2005-06 तक कोई आयात नहीं हुआ था और घरेलू उद्योग का हिस्सा बाजार हिस्से का 100% था । वर्ष 2006-07 के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा घटकर 89% हो गया । वर्ष 2007-08 में यह बढ़कर 94% और जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान बाजार हिस्सा पुनः घटकर 87% हो गया ।

(च) क्षमता उपयोग:- घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2004-05 में 94% से घटकर जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) 83% हो गया ।

(छ) लाभ:- घरेलू उद्योग ने वर्ष 2005-06 के दौरान जब कोई पाटित आयात नहीं हुआ था, *** लाख रुपए का लाभ कमाया था । वर्ष 2006-07 के दौरान पाटित आयातों की आवक से लाभ घटकर *** लाख रुपए हो गया । वर्ष 2007-08 के दौरान लाभ और अधिक घटकर *** लाख रुपए हो गया और घरेलू उद्योग ने जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान *** लाख रुपए का घाटा उठाया । वर्ष 2005-06 के दौरान प्रति मशीन *** लाख रुपए के लाभ की तुलना में घरेलू उद्योग का लाभ वर्ष 2007-08 के दौरान घटकर प्रति मशीन *** लाख रुपए हो गया । जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान उन्हें बेची गई प्रत्येक मशीन पर *** लाख रुपए का घाटा हुआ ।

(ज) निवेश पर आय: वर्ष 2005-06 के दौरान, आर ओ सी ई 57% थी । वर्ष 2006-07 के दौरान यह घटकर 39% हो गई और वर्ष 2007-08 के दौरान आगे और घटकर

14% हो गई । पाटन में वृद्धि होने के कारण अप्रैल-दिसंबर, 2008 में आर ओ सी ई घटकर मात्र 3% रह गई । आर ओ सी की इस दर पर कोई पूंजीगत वस्तु विनिर्माता बाजार में कभी भी नहीं रह सकता है ।

(झ) पूंजी या निवेश जुटाने की क्षमता:- जब आर ओ सी ई मात्र 3% हो तो पूंजी या निवेश जुटाने की क्षमता अत्यधिक बाधित होगी ।

च.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

33. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और अनंतिम क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ इस जांच परिणाम में अनिवार्य कारकों की जांच की है ।

34. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए" ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

35. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है ।

36. ऊपर उल्लिखित उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले समस्त आर्थिक मापदंडों की जांच निम्नानुसार की गई है :

च.3 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

क) आयात मात्रा

37. विचाराधीन उत्पाद का आयात विशेष रूप से सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 8446.21.90 तथा 8446.29.00 के अंतर्गत किया जाता है । आयात आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयात विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत भी किए गए हैं ।

38. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

39. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इन्फोझाइव से प्राप्त आयात के आंकड़ों और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा पर भरोसा कर उनका निम्नानुसार विश्लेषण किया है:-

ख) आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

| विवरण | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रै.- दिसं. 2008 |
|---------------------------------|------|---------|---------|---------|-----------------------|
| चीन जन.गण. से आयात | नग | शून्य | 157 | 90 | 247 |
| घरेलू उत्पादन तथा बिक्री | नग | 1616 | 1941 | 2483 | 2070 |
| कुल मांग | नग | 1616 | 2098 | 2573 | 2317 |
| चीन जन. गण. से आयातों का हिस्सा | % | 0 | 7.48 | 3.50 | 10.66 |

40. आंकड़ों से पता चलता है कि संबद्ध देश से हुए आयात वर्ष 2007-08 में 90 मशीनों से बढ़कर जांच अवधि (केवल 9 माह) के दौरान 247 मशीनों के हो गए । इसी प्रकार घरेलू मांग में आयातों का हिस्सा वर्ष 2007-08 में 3.5% से बढ़कर जांच अवधि में 10.66% हो गया । यह देखा गया है कि आयातों में समग्र रूप में और घरेलू मांग की तुलना में भी वृद्धि हुई है ।

ग) घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

| विवरण | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|--------------|------|---------|---------|---------|-----------------------------------|
| क्षमता | नग | 1887 | 2166 | 3138 | 2484 |
| उत्पादन | नग. | 1616 | 1941 | 2483 | 2070 |
| क्षमता उपयोग | % | 86 | 90 | 79 | 83 |

41. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है । तथापि, क्षमता उपयोग वर्ष 2005-06 के दौरान 86% से घटकर 2007-08 के दौरान 79% और जांच अवधि के दौरान 83% हो गया ।

घ) घरेलू उद्योग की बिक्री

| | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|--------------|------|---------|---------|---------|--------------------------------------|
| घरेलू बिक्री | नग | 982 | 1308 | 1827 | 1599 |

42. बिक्री से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने 2007-08 के दौरान मशीनों के 1827 नगों की बिक्री की, जो जांच अवधि (9 माह) में 1599 नग के स्तर पर पहुंच गई जिसमें वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

च.4 घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

क्षति विश्लेषण अवधि की तुलना में आयातों की पहुंच कीमत का मूल्यांकन

| | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|------------|------|---------------------------------------|---------|---------|--------------------------------------|
| पहुंच लागत | रुपए | संबद्ध देश से कोई आयात नहीं हुआ | *** | *** | *** |

43. आयात के आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पहुंच कीमत में वर्ष 2006-07 से लेकर जांच अवधि तक भारी गिरावट आई है । आंकड़ों से यह देखा गया है कि कीमत में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है ।

(क) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

कीमत कटौती

| | | 2005-06 | | | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|---------------------------|------|---------|---------|---------|--------------------------------------|
| विवरण | इकाई | | 2006-07 | 2007-08 | |
| आयातों का मूल्य | नग | शून्य | 157 | 90 | 247 |
| प्रति इकाई सी आई एफ मूल्य | रुपए | - | *** | *** | *** |
| पहुंच प्रभार 1% | रुपए | - | *** | *** | *** |
| निर्धारणीय मूल्य | रुपए | - | *** | *** | *** |
| सीमाशुल्क की लागू दर | % | - | 10.56 | 8.26 | 8.19 |
| आयातों की पहुंच कीमत | रुपए | - | *** | *** | *** |

| | | | | | |
|------------------|----------|---|-----|-----|-----|
| निवल बिक्री कीमत | रुपए | - | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | - | 100 | 102 | 101 |
| कीमत कटौती | रुपए | - | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती (%) | % | - | (-) | (-) | (-) |

कम कीमत पर बिक्री

| विवरण | इकाई | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|---------------------------------|------|--------------------------------|
| आयातों की पहुंच कीमत | रुपए | *** |
| घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत | रुपए | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | रुपए | *** |
| कम कीमत पर बिक्री (%) | % | 10-15 |

44. संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति तथा भारित औसत क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

45. घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित भाड़ा एवं कमीशन तथा संदत्त के. उ. शु. को समायोजित किया गया है।

46. कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करने के बाद किया गया है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% हैंडलिंग प्रभार, प्रचलित सीमाशुल्क एवं उप-कर को संबद्ध देश से हुए आयातों के आयात आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर की गई है। जांच अवधि और क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से कीमत कटौती ऋणात्मक रही है।

47. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की भारित औसत क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के संबंध में कम कीमत पर बिक्री 10.56% निर्धारित की गई है।

(ख) पाटित आयातों के कीमत हासकारी और न्यूनकारी प्रभाव:

48. कीमत में हास तब होता है जब उद्योग की कीमत पूर्ववर्ती अवधि के स्तर से कम होती है। कीमत न्यूनिकरण तब होता है जब पाटन की वजह से होने वाली उस वृद्धि में रुकावट

आती है जो लागत में वृद्धि के कारण अन्यथा बढ़ गई होती। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की औसत निवल बिक्री कीमत वर्ष 2007-08 के दौरान *** रूपए की तुलना में *** रूपए थी। इससे यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान कीमत न्यूनीकरण हुआ है। इसी प्रकार घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण उत्पादन लागत के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका, जिसकी वजह से कीमत में ह्रास हुआ।

च.5 अन्य क्षति मापदंडों की जांच

49. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों, आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्री तथा बाजार हिस्सों के साथ मांग की पद्धति की पूर्ववर्ती खंड में जांच करने के बाद पाटित आयातों के कारण हुई क्षति के अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

(क) लाभ/हानि तथा निवेश पर आय

| | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|--------------------------------------|----------|---------|---------|---------|--------------------------------------|
| बिक्री (एनएसआर) | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 133 | 188 | 172 |
| बनाने और बेचने की लागत | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 141 | 217 | 210 |
| कर पूर्व लाभ/हानि | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 92 | 53 | (7) |
| ब्याज तथा कर पूर्व लाभ/हानि | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 94 | 61 | 13 |
| घरेलू बिक्री के लिए लगाई गई पूंजी | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 39 | 247 | 294 |
| लगाई गई पूंजी पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 68 | 25 | 4 |

50. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री प्राप्ति में बनाने और बेचने की लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है जिसकी वजह से जांच अवधि में घरेलू बिक्री में निवल घाटा हुआ है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री हेतु लगाई गई पूंजी पर आय में अत्यधिक गिरावट आई है।

(ख) नकद लाभ

51. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ निम्नानुसार रहा है:-

| | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|-------------------------------------|----------|---------|---------|---------|--------------------------------------|
| कर तथा ब्याज पूर्व लाभ/हानि | लाख रुपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 94 | 61 | 13 |
| घरेलू बिक्री पर मूल्यह्रास | लाख रुपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 161 | 375 | 343 |
| घरेलू बिक्री के लिए नकद लाभ/हानि | लाख रुपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 101 | 94 | 47 |

52. उपर्युक्त के संदर्भ में यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ काफी घटा है ।

(क) रोजगार तथा मजदूरी

| विवरण | इकाई | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|------------------------------------|----------|---------|---------|---------|--------------------------------------|
| कर्मचारी | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 105 | 107 | 108 |
| मजदूरी | लाख रुपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 109 | 135 | 87 |
| प्रति कर्मचारी औसत मासिक मजदूरी | रुपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 126 | 107 |

53. उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है । तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी औसत मासिक मजदूरी में गिरावट आई है ।

(घ) पाटन की मात्रा

54. जिस सीमा तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, उस सीमा तक एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है ।

(ङ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

55. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत तथा घरेलू कीमतों में प्रवृत्ति की प्रारंभिक जांच से यह पता चलता है कि मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों के जरिए पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं ।

च.6 क्षति मापदंडों के संबंध में निष्कर्ष

56. कारकों के उपर्युक्त प्रारंभिक विश्लेषण से यह पता चलता है कि उत्पादन एवं बिक्री में समग्र रूप में सुधार होने के बावजूद घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से, निवल बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता, निवेश पर आय एवं नकद लाभ में गिरावट के कारण क्षति हुई है । जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयात के मूल्य में भारी वृद्धि हुई है और पाटित आयातों की पहुंच कीमत के कारण अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है । इसकी वजह से घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है । इस प्रकार घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक और काफी अधिक है ।

च.7 क्षति के अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

57. वास्तविक क्षति की मौजूदगी, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों की जांच उसके कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत ह्रासकारी एवं कीमत न्यूनकारी प्रभावों के संबंध में संपन्न करने के उपरांत भारतीय नियमावली एवं पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । तदनुसार निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:-

i) अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा और कीमत

58. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से इतर देशों से हुए आयातों की मात्रा काफी अधिक रही थी । तथापि, अन्य देशों से निर्यात कीमत संबद्ध देश की कीमत से काफी अधिक पाई गई थी । अतः अन्य देशों से हुए आयातों को घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटित आयात नहीं माना जा सकता ।

ii) मांग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी विकास

59. समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण देश में मांग की कमी को नहीं माना जा सकता। खपत एवं मांग से संबंधित आंकड़ों से उत्पाद की खपत की पद्धति में किसी खास परिवर्तन का पता नहीं चलता है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में खास परिवर्तन का कोई उल्लेख नहीं किया है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

iii) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

60. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है। आवेदक संबद्ध वस्तु का एक बड़ा उत्पादक है और उसका घरेलू उत्पादन तथा बिक्री में काफी अधिक हिस्सा है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी की जानकारी में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों या व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों का कोई साक्ष्य नहीं लाया है।

iv) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

| विवरण | इकाई | 2007-08 | अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि) |
|------------------------|----------|---------|-----------------------------------|
| निर्यात बिक्री | नग | *** | *** |
| निर्यात बिक्री की लागत | रुपए/लाख | *** | *** |
| बिक्री कीमत | रुपए/लाख | *** | *** |
| लाभ/हानि | रुपए/लाख | *** | *** |

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अपने निर्यातों से बेहतर लाभ कमा रहे हैं अतः क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात कार्यकलाप की वजह नहीं माना जा सकता।

v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

62. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। अतः इस कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

63. उपर्युक्त कारणोत्तर विश्लेषण से यह पता नहीं चलता है कि पाटित आयातों से इतर किसी अन्य ज्ञात कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

छ. कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

64. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित आधारों पर की जाती है:

क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयात की मात्रा में अत्यंत कम कीमत पर तेजी से वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सका जिससे वित्तीय घाटा हुआ है।

ख. आयात की मात्रा में वृद्धि और घरेलू कीमत में ह्रास की वजह से कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

ग. अत्यधिक सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री होने के परिणामस्वरूप संबद्ध देश से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमत घटाकर आयात कीमत में गिरावट का मुकाबला किया और वित्तीय घाटा उठाया।

65. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रावों के कारण हुई है।

ज. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

66. प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से हुए निर्यात के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। तुलना के उपरांत क्षति मार्जिन निम्नानुसार बनता है :-

| उत्पादक | निर्यातक | क्षति मार्जिन |
|---------------------------|----------------------------|---------------|
| चीन जन.गण. से कोई उत्पादक | चीन जन.गण. से कोई निर्यातक | *** |

झ. निष्कर्ष

67. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उठाए गए मुद्दों तथा इस जांच परिणाम परिणाम में प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (i) भारतीय बाजार में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु ने निर्यातक देश के घरेलू बाजार में उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर प्रवेश किया है ।
- (ii) संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से ज्यादा है ।
- (iii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव, दोनों के रूप में यह क्षति संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कारण हुई है ।

ञ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । अनंतिम पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

ट. सिफारिशें

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के विभिन्न पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम पाटनरोधी उपाय लागू करना अपेक्षित है ।

70. अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

71. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन, मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पूर्ववर्ती पैरा 5 में उल्लिखित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

| क्र.सं. | टैरिफ शीर्ष | वस्तु विवरण | उद्गम का देश / निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | शुल्क की राशि |
|---------|---|--|----------------------------------|---------------------------------------|----------|--------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1 | 8446.21 8446.21.9 0 8446.29 8446.29.0 0 | 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की .6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें | चीन जन.गण. | निर्यातक तथा उत्पादक का कोई संयोजन | | 1193 अम.डॉ प्रति मशीन |

ठ. आगे की प्रक्रिया

72. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (घ) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए एक सुनवाई आयोजित करेंगे।
- (ङ) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th February, 2010

Preliminary Findings

Sub : Preliminary findings of Anti-dumping investigations on imports of Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms. originating in or exported from China PR.

No. 14/25/2008-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. WHEREAS M/s Lohia Starlinger Ltd., Kanpur (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms. (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The embassy of subject country was notified about the receipt of fully documented application as per Rule 5(5).

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 18th May 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. General

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

- a) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 18.5.2009 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers and the domestic industry as per the addresses available, and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- b) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- c) The Embassy of the subject country in New Delhi, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to Embassy of subject countries along with the names and addresses of the exporters.
- d) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4). The Authority also sent questionnaire concerning Market Economy Treatment to exporters of China PR.
- e) Request was made to the DGCI&S to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation. however, data for the said period has not been received. Data received from IMPEX Statistics have been relied upon in this findings;
- f) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- g) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- h) The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st April 2008 to 31st December 2008 (9 months). The injury analysis

however covers the periods April,2005-March,06, April,2006–March,2007, April,2007-March,2008 and the POI.

- i) In response to the above said notification producer M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. China and exporter M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria have submitted the information, though not complete. Other exporters from subject country who have not filed their responses to questionnaire have been treated as non co-operative.
- j) *** in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration is Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms. originating in or exported from China PR. The Circular Weaving Machines consist of a central portion having shuttles for inserting the weft and a creel for inserting the warp. PP/HDPE tapes are used as weft and warp. The circular PP/HDPE cloth woven goes from the take up to the cloth winder. The circular woven fabrics are widely used in packaging applications such as packaging of cement, fertilizers, chemicals, plastic granules etc. and for covering fabrics such as tarpaulin etc.

6. The product under consideration is classified under Chapter 84 of the Custom Tariff Act, 1975 under sub-heading no.8446 - Weaving Machines (looms) and cleared under heading Numbers 8446.21/ 8446.21.90 (other)/8446.29 (other) & 8446.29.00 (other).

7. The applicant has clarified that there is no significant difference in Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms. produced by the domestic industry and those exported from China PR. Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms. produced by the Indian industry and imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The subject goods produced by the petitioners are like articles to those imported from China PR in accordance with the Anti Dumping Rules.

The Customs and ITC HS classification of the product under consideration mentioned above is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

C. Like Article

8. The applicant has claimed that goods produced by them are like articles to the subject goods originating in or exported from China PR. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from subject country and the two are technically and commercially substitutable. The Authority accepts the claim of the applicant in this regard, Therefore, for the purpose of present investigation, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as Like Article to the same imported from the subject country in accordance with the AD Rules.

D. Standing of the Domestic Industry and Initiation of the Investigation

9. The application has been filed by M/s. Lohia Starlinger Ltd., Kanpur on behalf of the domestic industry. As per evidence available on record, production of M/s. Lohia Starlinger Ltd., Kanpur accounts for a major proportion of the domestic production as their production is more than 50% of Indian production.

10. As per evidence available, the Authority has determined that the application satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of Anti Dumping Rules. Further, M/s. Lohia Starlinger Ltd., Kanpur is being treated as Domestic Industry within the meaning of Rule 2(b).

Views of the exporters

11. Academy of Business Studies, New Delhi have filed exporters' questionnaire's response as well as market economy questionnaire response on behalf of M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd., China PR and M/s Starlinger & Company G m.b.H, Austria. The following points are made in their response :-

- M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd., China PR is manufacturing circular weaving looms and other machinery for export and home market under technology provided by M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria.
- The Applicant, M/s Lohia Starlinger Limited, India is a joint venture between Lohia Machine Works, Kanpur and M/s Starlinger & Co. Gessellschaft m.b.H. M/s Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria holds 34.67% stake in M/s Lohia Starlinger Limited and is the largest single minority shareholder in M/s Lohia Starlinger Limited.
- Furthermore M/s Starlinger & Co Gessellschaft m.b.H enabled Lohia Starlinger Ltd. to manufacture circular weaving looms by providing applicable technology and know-how.

- The Starlinger-Huemer family directly and indirectly controls through FEPIA Privatstiftung and direct personal shareholding in all companies forming part of the Starlinger group.
- The Applicant, M/s Lohia Starlinger Ltd. is part of the Starlinger group), as M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H is the largest single minority shareholder in the Applicant, Lohia Starlinger Limited, holding 34.67%.
- M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. exports the products concerned solely to M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria, which in turn exports them to other countries including India.
- Ms. Angelika Huemer is President of the Board of Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. and at the same time managing director of Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria and managing director of Starlinger Export GmbH, Austria.
- Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria is holding 34.67% shares in Lohia Starlinger Limited, the petitioner, with legal right to be on board of Lohia Starlinger Limited. The directorship from this company was illegally ousted by Lohia Starlinger Limited and the case is presently pending before the Company Law Board, India.

Views of Domestic Industry

12. Lohia Starlinger Limited (hereinafter referred as 'LSL') are not a part of the so called Starlinger Group, which is evident from the fact that the website www.starlinger.com lists only the following four companies as members of the Starlinger Group:-

- Starlinger & Co. GmbH
 - SML Maschinengesellschaft mbH
 - Georg Sahm GmbH & Co.KG
 - Maplan GmbH
- LSL doesn't have any shareholding nor control in Starlinger China and Starlinger China has not any shareholding and/or control in LSL.
 - LSL has no control over Starlinger & Co GmbH, Austria (hereinafter referred as 'Starlinger Austria') nor is controlled by Starlinger Austria, legally or operationally.
 - The very fact that Starlinger Austria has filed a Petition before Hon'ble CLB seeking appointment of its nominee on the Board of LSL establishes the fact that Starlinger, Austria does not have any control over LSL nor do they have any contractual right to claim role in management or control over LSL. The Petition filed in the year 2005 has been vehemently opposed by LSL before CLB.
 - Starlinger Austria provided technology initially to LSL. The last technology transfer took place under agreement made way back in 1992, which too expired with expiry of time Starlinger Austria has been duly

compensated by LSL for technology transfer by payment of royalty in accordance with the terms of the relevant agreements.

- LSL is no way related to Starlinger, Austria and/or Starlinger, China. Their only claim is that they are holding 34.67% shares in LSL. But mere shareholding does not make Starlinger, Austria and/or Starlinger China related to LSL within the meaning of AD Rules. The Board of LSL has not appointed any director representing Starlinger Austria since 2002 and hence the question of Ms. Angelika Huemer being illegally ousted from the Directorship does not arise. In any case, the very fact that Starlinger Austria has filed a Petition before Hon'ble Company Law Board (CLB) seeking appointment of its nominee on the Board of LSL establishes the fact that Starlinger Austria do not have any control over LSL nor do they have any contractual right to claim any role in management or control over LSL. The Petition filed in the year 2005 by Starlinger Austria is still under consideration before CLB and no decision has been given by CLB so far.
- It is a blatant lie to state that CLB has confirmed that Starlinger Austria and LSL are related. The Hon'ble CLB has not passed any such orders.
- It is denied that LSL is a joint venture between Lohia Machine Works and Starlinger Austria. There is no such agreement with Lohia Machine Works. Starlinger Austria have raised a similar claim in the petition No. 62/2005 before the Company Law Board, which has been denied by LSL before the CLB and the matter is sub-judice.
- Starlinger Austria is neither legally nor operationally in control of LSL within the meaning of AD Rules.

Examination by Authority

13. The Authority has examined the position in the light of the definition of related companies under Rule 2(b) of Customs Tariff (Anti Dumping) Rules 1995. The said Rule is reproduced as under :

...(i) *producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if,-*

(a) *One of them directly or indirectly controls the other; or*

(b) *Both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or*

(c) *Together they directly or indirectly control a third person subject to the condition that there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers.*

(ii) *A producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise restraint or direction over the latter.*

14. The Authority notes that the key element in regard to relatedness of the producer and the exporter is 'control', legal or operational. The Authority finds that Starlinger China is a fully owned subsidiary of Starlinger Austria whereby both are related companies. Further, it is evidenced that Starlinger Austria are holding 34.67% shares in the petitioner company i.e. LSL. But mere shareholding does not amount to exercise of control and therefore does not make Starlinger Austria and/or Starlinger China related to LSL within the meaning of AD Rules as stated above. Majority shareholding i.e. above 50% only gives legal control. Further, the Authority finds that no Director representing Starlinger, Austria has been appointed in the Board of LSL since 2002. It is brought on record by both the parties that Starlinger Austria has filed a Petition before Company Law Board seeking appointment of its nominee on the Board of LSL. All these establish that Starlinger Austria has no operational control as well over LSL. Thus, in the absence of legal or operational control by Starlinger Austria and/or Starlinger China over LSL, the Authority does not treat the applicant and the exporter as related entities within the meaning of AD Rules.

Confidentiality

15. The confidentiality claims of domestic industry in respect of the data submitted by them have been examined. The data concerning costing, customers prices have been treated as confidential. The data of the exporter, M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. China and Starlinger & Company G.m.b.H, Austria submitted as confidential has been treated as confidential in the preliminary findings, however, the claim of confidentiality will be examined in detail after receipt of comments from interested parties.

E. Methodology for calculation of dumping margin.

E.1 Market Economy Treatment for Exporters from China PR

16. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country as per para 8(2) of Annexure1 of the Rules, for purposes of an anti dumping investigation. Upon initiation, the Authority advised the producers/Exporters in the country to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status.

17. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China PR to advise producers/exporters in their country to provide information.

18. The Starlinger, China responded to the MET questionnaire. However, according to the domestic industry the response given to various questions in the

NME questionnaire are very cryptic and without any evidence. The following points are made by the applicants in this regard:-

- (a) In response to Question No.3(b) of NME questionnaire on business decisions and costs, it has been stated that the land lord is a 100% foreign owned enterprise. It is well known that all land in China belong to the 'whole of the people of China' i.e. belong to the Government of China and only land use rights are awarded for specified periods – say 50 years or so by the concerned governmental agencies at very low rates. Other suppliers are either wholly owned or partly owned by State.
- (b) In response to Question No.5(g), it has been stated that SPMT's export profits are calculated at standard costs for the product concerned plus an appropriate profit. It is not clear as to what method is used by them to calculate export profits. They also say that profits are used to cover start up costs. The company was started in the year 2005. When did the start up period end? What was the amount of start up costs that were met from export profits? What portion of start up costs was met from domestic profits? The answer raises more queries than it answers.
- (c) The answer to Question No.5(h) clearly indicate that they suffered loss on account of export sales due to start up costs and the accumulated losses were financed by equity, receiving deposits from a related company Starlinger Austria and deferring payment to suppliers. When payments are deferred to suppliers, to cover the accumulated losses, it is clear indication of non-market nature of the economy. They shall not be granted market economy treatment.
- (d) The landlord is stated to be provider of hired personnel. It is further stated in response to Question No.7(a) that the workers are not employed at SPMT but outsourced. The details of the relationship between SPMT and the personnel provider have not been indicated. It may be yet another indicator of non-market nature of the operations conducted in China.
- (e) There is no information with regard to the source from which the machinery and other fixed assets were procured by SPMT.
- (f) In view of the incomplete MET response, their MET claims shall be rejected.

19. The Authority notes that M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. from China PR submitted information on prescribed format to rebut the presumption of non market economy. The Authority also notes the points made by the petitioners as stated above. The Authority has decided that a final view about the market economy status will be taken after verification of the information submitted by Starlinger, China.

E.2 Determination of Dumping Margin

20. Submissions of Domestic Industry

- The questionnaire response has been filed by SPMT China PR— the producer of the product concerned. It has been stated that SPMT exports the product concerned solely to Starlinger & Co GmbH, Austria who in turn exports them to other countries including India. SPMT has unequivocally stated that Appendix 2 – Details of Exports to India is not applicable to them.
- Firstly, China is a NME country and hence the domestic sales in China shall not be accepted. Secondly, SPMT has not provided adequate information in the EQR with respect to many critical issues relating to domestic sales. In the absence of such information, their domestic sales details cannot be accepted by DGAD. Some glaring deficiencies are listed below.
- In response to Q.No.B.2., SPMT has stated that all sales activities of the product concerned for home market are being executed exclusively by Starlinger & Co GmbH with contribution by Chinese sales persons. Thus, the expenses incurred by SPMT do not include SGA expenses in full. Therefore, it is not appropriate to rely on the information furnished by SPMT for determining the SGA rate.

21. The Authority notes that the applicant has proposed that China PR be treated as non market economy, and therefore the normal value should be determined in accordance with para 7 and 8 of Annexure 1 of the AD Rules. The applicant has stated that the major Chinese producer/exporter, M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. is a wholly owned subsidiary of M/s. Starlinger and Co. G.m.b.H Austria and accordingly Austria is an appropriate third country considering the fact that M/s. Starlinger is the technology supplier to the Chinese producers and has claimed normal value for China PR taking into consideration the export prices of subject goods manufactured in Austria and sold to Indonesia duly adjusted on account of freight and installation.

Submissions by Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria

22. M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria filed their confidential response enclosing evidence of their export transactions to various countries including India as under for the purpose of price comparison:-

- It is stated that all activities on sale and distribution for the Indian export market of the machines manufactured by Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. as well as invoicing, pricing and payment collection are being taken exclusively by Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria.
- Invoices confirmed by the Auditors of Starlinger, Austria evidencing their export prices to countries such as Indonesia, Bangladesh and Nepal have been furnished along with the invoices confirmed by their Auditors evidencing their export prices to India. Adjustments have been claimed on

the freight and installation. Necessary data has been submitted in this regard.

- It is claimed that levels of prices for exports to India as well as those to Indonesia and Nepal by Starlinger, Austria are same during the POI, as price comparison would reveal.
- Data has been made available claiming normal value in China based on domestic selling prices and it is claimed that there is no dumping margin when compared to the export price to India.

E.3 Examination by Authority

i) Normal Value from China PR

23. The Authority finds there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporter from the subject country that requires further examination and verification. Further the Authority does not rely on the information on the exports including third party exports submitted by Starlinger, Austria, the exporter in this case, as they have not furnished exporters' questionnaire response. Mere submission of invoices in support of exports without furnishing exporter's questionnaire response with all the relevant details is treated as incomplete response by the Authority. On the other hand, the exporters' questionnaire response filed by Starlinger, China (Producer) is incomplete in as much as it does not contain information relating to exports. From the point of view of the examination by the authority, complete cooperation and response on the prescribed formats giving out all relevant details is essential to give them individual treatment as per law. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the exporter and producer from China PR, in respect of their market economy claims and individual treatment claims, for the purpose of the preliminary finding, the Authority has provisionally adopted the constructed normal value for determination of normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

24. In this connection Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provide that:

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter

in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

25. The applicant claimed that Austria is an appropriate third country and had claimed normal value for China PR taking into consideration the export prices of subject goods (manufactured in Austria) from Austria to Indonesia duly adjusted on account of freight, marine insurance etc.. However, the evidence of such exports is found to be only in the form of an e-mail offer which is not accepted by the Authority. On the other hand, Starlinger, Austria (exporter) has submitted invoices evidencing exports from Austria to Indonesia during POI and the relevant data relating to adjustments on freight and installation. However, the Authority finds that Starlinger, Austria has not furnished complete response to exporters' questionnaire. In the absence of complete response to exporters' questionnaire from both Starlinger, Austria and Starlinger, China, the Authority does not rely upon the information furnished by them. Thus the Authority has adopted constructed normal value only for the purpose of preliminary findings taking recourse to Para 7 of Annexure 1 to AD Rules.

26. Pending verification, the Authority for the purpose of preliminary findings proceeds to provisionally determine normal value in China PR on the aforesaid basis in terms of para 7 of Annexure-1 to the AD Rules. Accordingly, the ex-works constructed Normal Value of the product under consideration for any combination of exporter and producer from China PR has been determined as US\$ *** at ex-works level, with exchange rate of Rs.44.55/US\$, after adding a reasonable profit margin of 5%, only for the purpose of preliminary findings.

E.4 Export price

i) Export price for Starlinger, China PR

27. M/s. Starlinger, China in their response to exporter's questionnaire have stated that all activities on sale and distribution for export markets of the machines manufactured by them are undertaken by Starlinger, Austria and there are no direct exports of Starlinger, China to India. Starlinger, Austria on the other hand have submitted details of exports to India as evidenced by invoices out of which only one invoice pertains to the period of investigation. Starlinger, Austria has stated that there was only one shipment against one invoice made during the POI and there was no other shipment during this period. The said invoice indicates a combined CFR value of two products supplied against that invoice. However, the relevant proforma invoice gives the bifurcation of value for 57 units of the subject goods. Per unit invoice value of export has been indicated as US\$ ***. Adjustments on freight and installation have been claimed as US\$ *** per unit. Accordingly, export price at ex-factory level is claimed as US\$ ***per unit. However, the Authority notes that the exporter i.e. Starlinger, Austria have not

furnished response to the exporters' questionnaire and the response of Starlinger, China, the producer, is incomplete in so far as it does not furnish information relating to exports of subject goods. Therefore, the Authority does not rely upon the export price claimed by Starlinger, Austria. On the other hand, for the purpose of preliminary findings, the Authority relies on the FoB value of exports of US\$ ***per unit as per the trade data of Infodrive on record for the POI and the adjustments on the inland freight and port charges in China which is taken at a reasonable level of US\$ *** per unit of subject goods. Thus the export price per unit at ex-works level works out to US\$ ***per unit.

E.5 Dumping Margin

28. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in the subject country at ex-factory level is significantly higher than the net export price at ex-factory level to India indicating that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject country.

29. On the basis of normal value and export price as determined above, the dumping margins are determined as per table below: -

| China PR | |
|----------------|--|
| | Value in US\$ per unit |
| | Any combination of exporter and producer from China PR |
| Normal Value | *** |
| Export Price | *** |
| Dumping Margin | 22.08% |

30. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

F. Methodology for Injury Determination and Examination of Causal Link

F.1 Injury Determination

31. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject country have been treated as dumped imports.

Submissions by the Domestic Industry

32. The domestic industry has raised the following arguments:-

- (a) **Material injury suffered by domestic industry is shown in terms of (a) volume effect; and (b) price effect.**
- (b) **Increase in absolute terms:** Imports from the subject country in the year 2006-07 were 157 units. In the year 2007-08, it went down to 90 units. However, during the POI (nine months of 2008-09 i.e. April-December 2008), imports have increased to 247 units. In terms of indexed numbers, imports during April-Dec 2008 were 157% of imports made during 2006-07.
- (c) **Increase in relative terms:-** Dumped imports as a percentage of domestic production increased from 8% in 2006-07 to 12% during April-Dec. 2008. During the same period dumped imports as a percentage of domestic consumption increased from 11% to 13%.
- (d) **Effect of dumped imports on the prices of the domestic industry**
 - (i) **Price undercutting:** The landed value of imported goods was 18% higher than the sales realization of the domestic industry during 2006-07. However, landed values dropped significantly in spite of the increase in the domestic sales realization and were lower than the domestic sales realization by 9% during 2008-09.
 - (ii) **Price underselling:** Price undercutting does not show the full extent of impact of the dumped imports on the prices of the domestic industry. The domestic industry was not able to increase their prices commensurate with increase in cost. Therefore, one should actually look at price underselling. Price underselling was negative 18% during 2006-07 when imports started. It was negative 2% during 2007-08. However, it was turned to a positive 17% during the POI (April-Dec 2008). With such a significant price underselling, profitability of the domestic industry has been adversely affected.
- (e) **Market share:-** Upto 2005-06, there were no imports and the domestic industry enjoyed 100% of the market share. During 2006-07, market share of domestic industry went down to 89%. It increased to 94% in 2007-08 and during the POI (April-December 2008), market share again went down to 87%.
- (f) **Capacity utilization:-** Capacity utilization of the domestic industry has gone down from 94% during 2004-05 to 83% during POI (April-Dec 2008).

- (g) **Profits:-** Domestic industry had earned a profit of Rs. ***lacs during 2005-06 when there were no dumped imports. Upon arrival of dumped imports during 2006-07, profits went down to Rs. ***lacs. Profits went further down to Rs. ***lacs during 2007-08 and the domestic industry has incurred a loss of Rs.***lacs during POI (April-Dec 2008). From a profit of Rs. ***lacs per machine during 2005-06, domestic industry's profits went down to Rs. ***lacs per machine during 2007-08. During POI (April-Dec 2008), they incurred a loss of Rs.***lacs on every machine sold.
- (h) **Return on investments:** During 2005-06, ROCE was 57%. It went down to 39% during 2006-07 and further to 14% during 2007-08. With increased dumping, ROCE went down to a mere 3% during April-Dec 2008. At this rate of ROCE, a capital goods manufacturer can never survive.
- (i) **Ability to raise capital or investments:-** Where the ROCE is just 3%, ability to raise capital or investments would be highly jeopardized.

F.2 Examination by Authority

33. Authority has noted the views expressed by the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

34. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

35. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

36. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under.

F.3 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import Volumes

37. Product under consideration is specifically importable under Customs Tariff Head 8446.21.90 and 8446.29.00. The imports data shows that the imports have also been made under different custom tariff heads.

38. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

39. For the purpose of injury analysis the Authority has relied on import data procured from Infodrive and volume of imports of the subject goods from the subject country have been analysed as under:-

b) Import Volumes and share of subject country

| Particulars | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008 |
|--------------------------------|------|---------|---------|---------|-----------------|
| Imports from China PR | Nos. | Nil | 157 | 90 | 247 |
| Domestic Production & Sales | Nos. | 1616 | 1941 | 2483 | 2070 |
| Total Demand | Nos. | 1616 | 2098 | 2573 | 2317 |
| Share of Imports from China PR | % | 0 | 7.48 | 3.50 | 10.66 |

40. The data shows that imports from subject country increased from 90 machines during 2007-08 to 247 machines during POI (9 months only). Similarly, the share of imports in the domestic demand has increased from 3.5% during 2007-08 to 10.66% during POI. It has been observed that imports have increased in absolute terms and also in relation to domestic demand.

c) Production and capacity utilization of the Domestic Industry

| Particulars | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|----------------------|------|---------|---------|---------|----------------------|
| Capacity | Nos. | 1887 | 2166 | 3138 | 2484 |
| Production | Nos. | 1616 | 1941 | 2483 | 2070 |
| Capacity Utilization | % | 86 | 90 | 79 | 83 |

41. The above data shows that capacity of the domestic industry has been increasing every year. However, the capacity utilization has come down from 86% during the year 2005-06 to 79% during 2007-08 and 83% during POI.

d) Sales of Domestic Industry

| | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|----------------|------|---------|---------|---------|-------------------------|
| Domestic Sales | Nos. | 982 | 1308 | 1827 | 1599 |

42. The data on sales indicates that the domestic industry sold 1827 number of machines during 2007-08 which has reached a level of 1599 during POI (9 months), thereby showing an increasing trend.

F.4 Price Effect of the Dumped imports from subject country on the Domestic Industry

Evaluation of landed price of imports over the injury analysis period

| | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|-------------|------|---------------------------------|---------|---------|-------------------------|
| Landed cost | Rs. | No imports from subject country | *** | *** | *** |

43. The import data shows that landed prices from subject country has declined substantially from the year 2006-07 to POI. It has been observed from the data that the prices declined significantly during the POI.

(a) Price undercutting and underselling effects

Price Undercutting

| Particulars | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|--------------------------------|---------|---------|---------|---------|-------------------------|
| Volume of Imports | Nos. | Nil | 157 | 90 | 247 |
| CIF value per unit | Rs. | - | *** | *** | *** |
| Landing Charge 1% | Rs. | - | *** | *** | *** |
| Assessable value | Rs. | - | *** | *** | *** |
| Effective rate of Customs Duty | % | - | 10.56 | 8.26 | 8.19 |
| Landed price of imports | Rs. | - | *** | *** | *** |
| Net Selling Price | Rs. | - | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | - | 100 | 102 | 101 |

| | | | | | |
|------------------------|-----|---|-----|-----|-----|
| Price Undercutting | Rs. | - | *** | *** | *** |
| Price Undercutting (%) | % | - | (-) | (-) | (-) |

Price underselling

| Particulars | Unit | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|--|------|-------------------------|
| Landed price of imports | Rs. | *** |
| Non-Injurious Price of domestic industry | Rs. | *** |
| Price Underselling | Rs. | *** |
| Price Underselling (%) | % | 10-15 |

44. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting and price underselling. For the purpose of this analysis the weighted average Net Sales Realization (NSR) and the weighted average Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the weighted average landed value of imports from the subject country.

45. In determining the weighted average net sales realization of the domestic industry, freight outwards and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been adjusted.

46. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. The landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charges, prevailing customs duty and cess to the value reported in the import data for imports from the subject country. The price undercutting from subject country remains negative during POI as well as injury period.

47. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed price of imports from the subject country has been compared with the weighted average non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The price underselling in respect of the subject goods has been determined as 10.56% for the POI.

(b) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

48. Price depression exists when the industry's prices are lower than the level of the previous period. Price suppression occurs when dumping prevents price increases that could otherwise take place due to increase in costs. During the POI, the average net selling price of the domestic industry was Rs.*** as compared to Rs. ***during the year 2007-08. This indicates that price depression

has occurred during the POI. Similarly, the domestic industry has not been able to increase its selling price to match the cost of production due to dumped imports which evidences price suppression.

F.5 Examination of other Injury Parameters

49. After having examined the volume and price effects of the dumped imports on the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares in the earlier section, other economic parameters of injury caused by dumped imports have been analyzed hereunder:-

(a) Profit/Loss and Return on Investment

| | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|-------------------------------------|----------|---------|---------|---------|-------------------------|
| Sales (NSR) | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 133 | 188 | 172 |
| Cost to make and sell | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 141 | 217 | 210 |
| Profit/Loss before tax | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 92 | 53 | (7) |
| Profit/Loss before interest and tax | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 94 | 61 | 13 |
| Capital Employed for domestic sales | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 39 | 247 | 294 |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 68 | 25 | 4 |

50. The above data shows that domestic sales realization of the domestic industry has not increased commensurate with the increase in cost to make and sell. The profitability of the domestic industry has declined over the injury investigation period and resulted in net loss on the domestic sales in the POI. The Return on Capital Employed for domestic sales of the domestic industry has significantly declined during the POI as compared to the base year.

(b) Cash Profit

51. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:-

| | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|--|----------|---------|---------|---------|-------------------------|
| Profit/Loss before Tax and interest | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 94 | 61 | 13 |
| Depreciation on domestic sales | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 161 | 375 | 343 |
| Cash profit/loss for domestic sales | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 101 | 94 | 47 |

52. It is seen from the above that the cash profits of the domestic industry has significantly deteriorated during the POI as compared to the base year.

(d) Employment and wages

| Particulars | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|--|--------------|---------|---------|---------|-------------------------|
| Employees | No. | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 105 | 107 | 108 |
| Wages | Rs. Lakhs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 109 | 135 | 87 |
| Average monthly wages per employee | Rs. | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 103 | 126 | 107 |

53. From the above, it is evident that the number of employees has increased. However, average monthly wage per employee has declined during the POI as compared to previous year.

(d) Magnitude of Dumping

54. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject country for the POI, are significant.

(e) Factors affecting prices

55. Preliminary examination of the trend in the volume of dumped imports and prices from the subject country and the domestic prices indicate that the dumped imports through volume and price effects have affected the prices of the domestic industry.

F.6 Conclusion on injury parameters

56. The above preliminary analysis of the factors indicate that in spite of improvement in the production and sales in absolute terms, the domestic industry suffered injury on account of decline in market share, net sales realization, profitability, return on investments and cash profits. Volume of dumped import from the subject country has increased significantly during POI and the landed prices of dumped imports were resulting in significant price underselling. This has resulted in significant financial losses to the domestic industry. Thus the injury suffered by the domestic industry is material and significant.

F.7 Other Known Injury factors and Causal Link

57. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

i) Volume and prices of imports from other sources

58. During POI, imports from countries other than the subject country were of significant volume. However, the export price from other countries was found to be much higher than the same from the subject country. Therefore, the imports from other countries cannot be considered as dumped imports causing injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and Development of technology

59. Demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, the injury to the domestic industry cannot be attributed to the lack of demand in the country. The data on consumption and demand does not show any significant change in the pattern of consumption of the product. There is no mention of significant changes in technology by any interested party, which could have caused injury to the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

60. The subject goods are freely importable. The applicant is the major producer of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the attention of the Authority by any interested party.

iv) Export performance of the domestic industry

| Particulars | Unit | 2007-08 | Apr.- Dec. 2008(POI) |
|----------------------|---------|---------|-------------------------|
| Export Sales | Nos. | *** | *** |
| Cost of export sales | Rs/Lacs | *** | *** |
| Selling Price | Rs/Lacs | *** | *** |
| Profit/Loss | Rs/Lacs | *** | *** |

61. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has not been adversely impacted during the POI. Further the petitioner has been making significant level of profits from their exports during the POI as well in the previous year. Therefore, injury cannot be attributed to the export activity of the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

62. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has improved. Therefore this cannot be a factor causing injury to the domestic industry.

63. The above non-attribution analysis shows that no other known factors, other than the dumped imports, appears to have caused injury to the domestic industry.

G. Factors establishing Causal Link

64. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject country. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

a. The volume of dumped import from the subject country has sharply increased at significantly lower prices during the injury investigation period, resulting in significant price undercutting and underselling. As a direct consequence, the

domestic industry could not increase its prices commensurate with increase in the cost of production resulting in financial losses.

b. Increase in import volumes and suppression of domestic prices adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.

c. Significant positive price underselling resulted in increase in market share of imports from the subject country. As a direct consequence, market share of the domestic industry has declined. The domestic industry appears to have responded to decline in import prices by suppressing its selling prices and suffered financial losses.

65. Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury to the domestic industry has been caused by the volume and price effects of dumped imports from the subject country.

H. Magnitude of Injury and injury margin

66. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during POI. Thus compared, the injury margin is worked out as under:-

| Producer | Exporter | Injury Margin |
|-------------------------------|-------------------------------|---------------|
| Any producer from China PR | Any exporter from China PR | *** |

I. Conclusions

67. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this findings, the Authority provisionally concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject country at prices less than their normal values in the domestic market of the exporting country;
- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are substantial and above de minimis;
- iii) The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry, both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

J. Indian industry's interest & other issues

68. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general economic interest of the country. Imposition of provisional anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers and user industry.

K. Recommendations

69. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on various aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal link between dumping and injury to the domestic industry, in terms of the Rules laid down, and having provisionally established positive dumping margin against the subject country, and having concluded that the domestic industry suffered material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that imposition of provisional anti dumping measure is required to prevent injury being caused to the domestic industry during the investigation period.

70. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods, from the subject country, in the form and manner described hereunder.

71. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the duty table given below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on imports of the subject goods as described earlier under Para 5 originating in or exported from China PR.

Duty Table

| S.N. | Tariff Head | Description Of Goods | Country of Origin / Country of Export | Producer | Exporter | Amount of Duty |
|------|--|---|---------------------------------------|--|----------|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1 | 8446.21 8446.21.90 8446.29 8446.29.00 | Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms | China PR | Any combination of exporter and producer | | US\$ 1193 per machine |

L. Further Procedure

72. The following procedure would be followed subsequent to notification of the preliminary findings: -

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within 40 days from the date of dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty (40) days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would hold hearing to hear the views of various interested parties orally;
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

P.K. CHAUDHERY, Designated Authority